



नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. GJHIN/25/A2786

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM AHMEDABAD

वर्ष : 01

अंक : 226

दि. 20.05.2026,

बुधवार

पाना : 04

किंमत : 00.50 पैसा

इबोला का नया विस्फोट बना वैश्विक खतरा, कांगो से युगांडा तक फैला संक्रमण

कांगो। अफ्रीका एक बार फिर दुनिया के सबसे खतरनाक वायरसों में शामिल इबोला की चपेट में आता दिखाई दे रहा है। Democratic Republic of the Congo में फैले इबोला के दुर्लभ और घातक "बुंडिबुग्यो स्ट्रेन" ने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि World Health Organization ने इसे "अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल" घोषित कर दिया है। तेजी से फैल रहे संक्रमण ने न केवल कांगो बल्कि पड़ोसी Uganda को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों को डर है कि यदि समय रहते इस वायरस को नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह पूरे मध्य अफ्रीकी क्षेत्र के लिए बड़ा मानवीय संकट बन सकता है।

एक अमेरिकी डॉक्टर के भी संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। कांगो के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-मैडिकल रिसर्च के मेडिकल डायरेक्टर Jean-Jacques Muyembe ने बताया कि इटुरी प्रांत की राजधानी बुनिया में दर्ज मामलों में एक अमेरिकी चिकित्सक भी शामिल है, जो मरीजों के उपचार के दौरान वायरस की चपेट में आ गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार वायरस ने बेहद खतरनाक तरीके से फैलाव किया, क्योंकि शुरुआती जांच में वैज्ञानिक गलत इबोला स्ट्रेन की तलाश कर रहे थे। इसी कारण कई संक्रमित मरीजों की रिपोर्ट नैगेटिव आती रही और वायरस हफ्तों तक बिना पहचान के लोगों के बीच फैलता रहा। Georgetown University के सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स के निदेशक Matthew M. Kavanagh ने कहा कि गलत जांच पद्धति के कारण कई महत्वपूर्ण सप्ताह बर्बाद हो गए और अब स्वास्थ्य एजेंसियां उस स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही हैं, जो तेजी से हाथ से निकलती जा रही है।



प्रमुख क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। कई इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही कमजोर हैं, जिससे हालात और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। कांगो सरकार ने आपात कदम उठाते हुए प्रभावित क्षेत्रों में तीन विशेष उपचार केंद्र स्थापित

करने की घोषणा की है। वहीं WHO ने भी अतिरिक्त विशेषज्ञों, दवाओं और चिकित्सा सामग्री की टीमों प्रभावित इलाकों में भेजनी शुरू कर दी है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री Samuel Roger Kamba ने बताया कि मौजूदा प्रकोप में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। संक्रमितों में अधिकतर मरीजों की उम्र 20 से 39 वर्ष के बीच है। चौकाने वाली बात यह भी है कि संक्रमित लोगों में 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि परिवारी अधिकतर महिलाओं पर होने के कारण उनमें संक्रमण का खतरा ज्यादा बढ़ गया है। इबोला का यह "बुंडिबुग्यो स्ट्रेन" बेहद दुर्लभ माना जाता है। वर्ष 1976 में पहली बार इबोला वायरस की पहचान होने के बाद से कांगो और युगांडा में 20 से अधिक प्रकोप सामने आ चुके हैं, लेकिन यह केवल तीसरी बार है जब इस विशेष स्ट्रेन का पता चला है। यही वजह है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। इबोला वायरस को दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारियों में गिना जाता है। यह संक्रमित व्यक्ति के शरीर

के तरल पदार्थों—जैसे खून, उल्टी, पसीना और अन्य शारीरिक स्राव—के संपर्क में आने से फैलता है। बीमारी के शुरुआती लक्षण सामान्य वायरल संक्रमण जैसे दिखाई देते हैं, जिनमें तेज बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी और दस्त शामिल हैं। लेकिन गंभीर अवस्था में यह शरीर के अंदरूनी और बाहरी रक्तस्राव का कारण बन सकता है, जिससे मरीज की हालत तेजी से बिगड़ती जाती है। Centers for Disease Control and Prevention के अनुसार, इस बीमारी की मृत्यु दर बहुत अधिक हो सकती है, खासकर तब जब समय पर इलाज और आइसोलेशन की सुविधा उपलब्ध न हो। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि वर्तमान में बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सिन या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण रोकने के लिए संक्रमित मरीजों को अलग रखने, संपर्क में आने से बचना, को निगरानी करने और सार्वजनिक जगहों पर बढ़ावे पर जोर दे रही हैं। कांगो में फैले इस नए प्रकोप ने दुनिया को कोविड महामारी की याद भी दिला दी है, जब शुरुआती लापरवाही और

देर से प्रतिक्रिया ने हालात को भयावह बना दिया था। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अफ्रीकी देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था को तुरंत वैश्विक सहयोग नहीं मिला, तो संक्रमण सीमाओं को पार कर अन्य देशों तक भी पहुंच सकता है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, लोगों में जागरूकता का कारण बन सकता है, जिससे मरीज की हालत तेजी से बिगड़ती जाती है। Centers for Disease Control and Prevention के अनुसार, इस बीमारी की मृत्यु दर बहुत अधिक हो सकती है, खासकर तब जब समय पर इलाज और आइसोलेशन की सुविधा उपलब्ध न हो। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि वर्तमान में बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सिन या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण रोकने के लिए संक्रमित मरीजों को अलग रखने, संपर्क में आने से बचना, को निगरानी करने और सार्वजनिक जगहों पर बढ़ावे पर जोर दे रही हैं। कांगो में फैले इस नए प्रकोप ने दुनिया को कोविड महामारी की याद भी दिला दी है, जब शुरुआती लापरवाही और

गोरखपुर स्टेशन पर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित, गोरखपुर स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज के नीचे कार्य हेतु ब्लॉक

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन पर प्लॉटम क्रमांक 7 एवं 8 पर एफओबी-ए के नीचे कार्य हेतु ट्रेफिक एवं पावर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त, शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट तथा विस्तारित की जाएंगी।



गोरखपुर स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज के नीचे कार्य हेतु ब्लॉक

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञापित के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त होने वाली ट्रेनें

1. 30 मई, 2026 एवं 06 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल निरस्त रहेगी।

2. 29 मई, 2026 एवं 05 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05053 गोरखपुर - बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल निरस्त रहेगी।

शॉर्ट टर्मिनेट / शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें

1. 01 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19091 बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर हप्तसफर एक्सप्रेस गोरखपुर कैंट स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा गोरखपुर कैंट और गोरखपुर के बीच

ऑंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2. 02 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19092 गोरखपुर - बांद्रा टर्मिनस हप्तसफर एक्सप्रेस गोरखपुर कैंट स्टेशन पर शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा गोरखपुर और गोरखपुर कैंट के बीच ऑंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

3. 31 मई, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर अंत्योदय बलरामपुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा बलरामपुर और गोरखपुर के बीच ऑंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

4. 02 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ

करने वाली ट्रेन संख्या 22922 गोरखपुर - बांद्रा टर्मिनस अंत्योदय बलरामपुर स्टेशन से 06:08 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा गोरखपुर और बलरामपुर के बीच ऑंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

5. 29 मई, 2026 से 07 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19489 अहमदाबाद - गोरखपुर एक्सप्रेस गोरखपुर कैंट स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा गोरखपुर कैंट और गोरखपुर के बीच ऑंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

6. 30 मई, 2026 से 08 जून, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19490 गोरखपुर - अहमदाबाद

एक्सप्रेस गोरखपुर कैंट स्टेशन से 21:40 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा गोरखपुर और गोरखपुर कैंट के बीच ऑंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

विस्तारित होने वाली ट्रेनें

1. 28 मई, 2026 से 06 जून, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19409 साबरमती - गोरखपुर एक्सप्रेस छपरा तक विस्तारित की जाएगी। यह ट्रेन छपरा स्टेशन पर 21:25 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन गोरखपुर के बाद देवरिया सदर एवं सिवान स्टेशनों पर भी ठहरेगी।

2. 30 मई, 2026 से 08 जून, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19410 गोरखपुर - साबरमती एक्सप्रेस गोरखपुर के बजाय छपरा स्टेशन से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन छपरा स्टेशन से 01:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गोरखपुर से पहले सिवान एवं देवरिया सदर स्टेशनों पर भी ठहरेगी।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 14 जून 2025 को वरतेज रेलवे स्टेशन पर खड़े रेलवे डीजल इंजन से लगभग 150 लीटर डीजल चोरी होने की घटना सामने आई थी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ चौहान के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

वरतेज रेलवे स्टेशन पर डीजल चोरी के मामले में 4 आरोपी दोषी करार, रेलवे न्यायालय ने लगाया 40,000 का जुर्माना

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के अंतर्गत वरतेज रेलवे स्टेशन पर रेलवे के डीजल इंजन से 150 लीटर डीजल चोरी किए जाने के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), भावनगर द्वारा की गई त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के फलस्वरूप चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां माननीय रेलवे न्यायालय, भावनगर ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कुल 40,000/- का जुर्माना लगाया।



उल्लेखनीय है कि दिनांक 14 जून 2025 को वरतेज रेलवे स्टेशन पर खड़े रेलवे डीजल इंजन से लगभग 150 लीटर डीजल चोरी होने की घटना सामने आई थी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ चौहान के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम में उप निरीक्षक श्री अश्विन वर, सहायक उप निरीक्षक श्री रामप्रताप, कॉन्स्टेबल श्री धर्मेश डोंगर, कॉन्स्टेबल श्री फैजल गठान तथा अपराध शाखा के श्री जगदीश डोंगर शामिल थे। टीम द्वारा लगातार दिन-रात किए गए गहन प्रयासों, माननीय रेलवे न्यायालय, भावनगर के दिनांक 10 जुलाई 2025 को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किए गए 150 लीटर डीजल की बरामदगी की गई। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम, 1966 [Railway Property (Unlawful Possession) Act] की धारा 3 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया तथा उन्हें माननीय रेलवे न्यायालय, भावनगर में प्रस्तुत किया गया।

वडोदरा स्टेशन पर यार्ड रीमांडलिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित, छायापुरी बाजवा, विश्वामित्री स्टेशन से होगी शॉर्ट टर्मिनेट/ शॉर्ट ओरिजिनेट

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में वडोदरा स्टेशन पर ब्लॉक के अंतर्गत वडोदरा स्टेशन यार्ड में यार्ड रीमांडलिंग के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के कमीशनिंग कार्य हेतु TWO व नॉन इंटरलॉकिंग (NI) कार्य किया जा रहा है जिसकी शुरुआत दिनांक 16.05.26 से की गई थी। जिसके अंतर्गत कार्य हेतु ट्रेफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने हेतु कुछ ट्रेनें का टर्मिनेशन एवं ओरिजिनेशन अस्थायी रूप से विश्वामित्री, बाजवा, छायापुरी एवं मकरपुरा स्टेशनों पर किया जाएगा।

दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-छायापुरी के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69117 वडोदरा-दाहोद मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-छायापुरी के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69119 वडोदरा-दाहोद मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-छायापुरी के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69101 वडोदरा-वटवा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69115 वडोदरा-वटवा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69113 वडोदरा-वटवा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69107 वडोदरा-वटवा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69109 वटवा-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक वडोदरा-वटवा के बीच निरस्त रहेगी।

दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक विश्वामित्री स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा विश्वामित्री-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69111 सूत-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक विश्वामित्री स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा विश्वामित्री-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69122 गोधरा-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा छायापुरी-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69120 दाहोद-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा छायापुरी-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69124 दाहोद-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा छायापुरी-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69118 गोधरा-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा छायापुरी-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69234 दाहोद-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा छायापुरी-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69114 वटवा-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69108 वटवा-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा बाजवा-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 69102 वटवा-वडोदरा मेमू दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक वडोदरा-वटवा के बीच निरस्त रहेगी।

2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा बाजवा-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 12930 वडोदरा-वलसाड इंटरसिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन से शाम 16:45 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा स्टेशन पर 17:05/17:10 तक 5 मिनट स्टॉपेज होगा।

* ट्रेन संख्या 59049 वलसाड-वडोदरा पैसेंजर ट्रेन दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक मकरपुरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा मकरपुरा-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 59050 वडोदरा-वलसाड पैसेंजर ट्रेन दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक मकरपुरा स्टेशन से शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-मकरपुरा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 59549 वडोदरा-वटवा पैसेंजर ट्रेन दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक प्रतापनगर स्टेशन से सुबह 5:40 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा स्टेशन पर 06:25/06:30 तक 5 मिनट का ठहराव होगा।

* ट्रेन संख्या 22959 वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच निरस्त रहेगी।

* ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा पैसेंजर ट्रेन दिनांक 21 मई, 2026 से दिनांक 20 जून, 2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी तथा बाजवा-वडोदरा के बीच निरस्त रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पूर्व ट्रेनों के समय, ठहराव एवं अन्य अद्यतन जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें।



जंग के चलते सबसे निचले स्तर पर पहुंचा रुध्या

JioTV
CHENNAL NO. 2063

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये

वर्ल्ड में पहली बार Broad Gauge ट्रेक पर दौड़ेगी Semi High Speed Train, अहमदाबाद-धोलेरा कॉरिडोर को मिली मंजूरी

► गुजरात को मिला भारत का पहला सेमी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, अहमदाबाद-धोलेरा के बीच बनेगा 134 किमी लंबा ब्रॉड गेज सेमी हाई-स्पीड कॉरिडोर
 ► 20,667 करोड़ की लागत से विकसित होगा देश का पहला स्वदेशी तकनीक आधारित सेमी हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट
 — नमो भारत ट्रेनों का होगा संचालन

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने गुजरात को देश का पहला ब्रॉड गेज सेमी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर प्रदान करते हुए अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन अहमदाबाद, धोलेरा स्पेशल इन्व्स्टमेंट रीजन (SIR), आगामी धोलेरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (National Maritime Heritage Complex) को अत्याधुनिक रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

परियोजना की डिजाइन गति 220 किमी प्रति घंटा तथा परिचालन गति 200 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है। कॉरिडोर पर कुल 13 स्टेशन विकसित किए जाएंगे। परियोजना के अंतर्गत 3 मेगा पुल, 74 किलोमीटर वायाडक्ट, 39 रोड अंडर ब्रिज तथा 2 रेल ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। कुल ट्रेक लंबाई लगभग 293 किलोमीटर होगी। परियोजना को अगले 4 वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा "अहमदाबाद-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना भारत के रेलवे इतिहास में एक नई शुरुआत है। यह केवल एक रेल लाइन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (National Maritime Heritage Complex) को अत्याधुनिक रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।



के विज्ञान को नई गति दे रहा है। स्वदेशी तकनीक आधारित यह परियोजना भविष्य में देशभर में सेमी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का आधार बनेगी।" मंडल रेल प्रबंधक (DRM), भावनगर श्री दिनेशा वर्मा ने कहा "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल जी के मार्गदर्शन में भारतीय रेलवे को इस ऐतिहासिक परियोजना के क्रियान्वयन का गौरव प्राप्त हुआ है। 134 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर एक्सप्रेसवे के समानांतर नए संरेखण पर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना अहमदाबाद एवं धोलेरा क्षेत्र को विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी

प्रदान करेगी। इससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं आधुनिक यात्रा सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र में देशभर में सेमी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का आधार बनेगी।" मंडल रेल प्रबंधक (DRM), भावनगर श्री दिनेशा वर्मा ने कहा "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल जी के मार्गदर्शन में भारतीय रेलवे को इस ऐतिहासिक परियोजना के क्रियान्वयन का गौरव प्राप्त हुआ है। 134 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर एक्सप्रेसवे के समानांतर नए संरेखण पर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना अहमदाबाद एवं धोलेरा क्षेत्र को विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी

मुख्यतः स्टैंडर्ड गेज पर चलती रही है, लेकिन भारत पहली बार ब्रॉडगेज नेटवर्क में 220 kmph स्पीड का सफल मॉडल विकसित करने का रहा है। यह सिर्फ एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि भारतीय इंजीनियरिंग, आत्मनिर्भरता और रेलवे आधुनिकीकरण का ऐतिहासिक अध्याय है। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद अहमदाबाद और धोलेरा के बीच यात्रा समय घटकर लगभग 1 घंटे से भी कम रह जाएगा तथा धोलेरा को सीधे अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से जोड़ने में भी सहायता मिलेगी।

परियोजना के प्रमुख लाभ
 ► लगभग 5 लाख से अधिक आबादी को प्रत्यक्ष लाभ

► प्रतिवर्ष लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त मालभाड़ा परिवहन क्षमता
 ► लॉजिस्टिक्स लागत में प्रतिवर्ष लगभग 54 करोड़ की बचत
 ► निर्माण चरण में लगभग 91 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन
 ► लगभग 0.48 करोड़ लीटर ईंधन की वार्षिक बचत
 ► लगभग 2 करोड़ किलोग्राम CO उत्सर्जन में कमी — जो लगभग 10 लाख पेड़ों के रोपण के बराबर पर्यावरणीय लाभ के समान है
 ► साबरमती, गांधीग्राम एवं वस्त्रापुर स्टेशनों पर मेट्रो नेटवर्क से एकीकरण
 ► साबरमती स्टेशन पर बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी
 ► मोरिया (साणंद) में डेडिक्टेड फ्रेट कॉरिडोर तथा भीमनाथ लॉजिस्टिक्स हब से संपर्क
 यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित की जा रही है, जिसका उद्देश्य मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को मजबूत करना तथा भारत की लॉजिस्टिक्स दक्षता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। यह कॉरिडोर गुजरात को आधुनिक, हरित एवं उच्च गति परिवहन अवसरचना के नए युग में प्रवेश करने वाली ऐतिहासिक पहल सिद्ध होगा।

लोकोमोटिव शोड साबरमती में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन,अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन बचाव उपायों की दी गई जानकारी



पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के लोकोमोटिव शोड साबरमती में दिनांक 19.05.2026 को अधिकांश, लोकोमोटिवों को कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं सुपरवाइजर्स एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स द्वारा कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक सावधानियों, आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों तथा अग्निशमन यंत्रों के सही एवं प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल इंजीनियर साबरमती, श्री एस. पी. गुप्ता द्वारा कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं संरक्षा नियमों का पालन करने, आग से बचाव हेतु सदैव सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित कार्रवाई सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों की सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन क्षमता को भी सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी संबंधी जानकारी को गंभीरता से ग्रहण किया तथा भविष्य में सुरक्षा मानकों के पालन हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की।

घर में बनाएं नेचुरल कूलिंग क्रीम -शहनाज़ हुसैन

गर्मियों का मौसम अपने साथ तेज धूप, गर्म हवाएं, पसीना और धूल-मिट्टी जैसी कई परेशानियां लेकर आता है। इस मौसम में केवल शरीर ही नहीं, बल्कि त्वचा भी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। लगातार गर्मी और प्रदूषण के संपर्क में रहने से त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खोने लगती है। चेहरा बेजान, रूखा और थका हुआ दिखाई देने लगता है। कई लोगों को त्वचा पर जलन, लालपन, खुजली और चिपचिपाहट की समस्या भी होने लगती है। सूरज की तेज किरणें त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे त्वचा समय से पहले सूखती है। नजर आने लगती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा को बचाने और चमक बनाए रखने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और सैलून ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं। हालांकि कई बार इन उत्पादों में मौजूद केमिकल त्वचा को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा देते हैं। इसके अलावा हर किसी के लिए महंगे रिस्कन प्रोडक्ट्स खरीदना आसान भी नहीं होता। दरअसल त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रखने के लिए हमेशा महंगे उत्पादों की जरूरत नहीं होती। हमारे घर में मौजूद कई प्राकृतिक चीजें ऐसी हैं जो त्वचा को ठंडक पहुंचाने, नमी बनाए रखने और प्राकृतिक चमक लौटाने में बेहद असरदार साबित होती हैं। एलोवेरा, गुलाब जल, खीरा, नारियल तेल, शहद और बालम तेल जैसी प्राकृतिक चीजें त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जाती। इनसे बनी घरेलू कूलिंग क्रीम न केवल सस्ती होती है, बल्कि इनमें किसी तरह के हानिकारक केमिकल भी नहीं होते। यही कारण है कि

ये हर प्रकार की त्वचा के लिए सुरक्षित और फायदेमंद मानी जाती हैं। गर्मियों में त्वचा को सबसे ज्यादा जरूरत ठंडक और नमी की होती है। जब त्वचा लंबे समय तक धूप और गर्मी के संपर्क में रहती है तो उसकी प्राकृतिक नमी खत्म होने लगती है। इससे त्वचा खिंची-खिंची और सूखी महसूस होती है। ऐसे में एलोवेरा जैसे बनी कूलिंग क्रीम बेहद फायदेमंद साबित होती है। एलोवेरा त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है और उसे ठंडक पहुंचाता है। यदि इसमें गुलाब जल और खीरे का रस मिला दिया जाए तो इसका असर और भी बढ़ जाता है। गुलाब जल त्वचा को ताजगी देता है जबकि खीरे का रस त्वचा को ठंडा और शांत रखने में मदद करता है। घर पर एक आसान और असरदार कूलिंग क्रीम तैयार करने के लिए एक कांच की बट्टी में एक चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच खीरे का रस मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। जब इसका टेक्सचर हल्की और मुलायम क्रीम जैसा हो जाए तो इसे कुछ समय के लिए फ्रिज में रख दें। यह क्रीम चेहरे और त्वचा के खुले हिस्सों पर लगाने से तुरंत ठंडक आने लगेगी है। खास बात यह है कि यह त्वचा को चिपचिपा नहीं बनाती बल्कि उसे फ्रेश और मुलायम बनाए रखती है। इसे फ्रेश और मुलायम बनाए रखती है। इसे लगे से पहले चेहरे को साफ पानी से धो लेना जरूरी होता है ताकि धूल और प्रदूषण हट जाए और क्रीम त्वचा में अच्छी तरह समा सके। गर्मियों में रात के समय बेहद त्वचा को देखभाल करना भी बेहद जरूरी होता है। पूरे दिन धूप और प्रदूषण से लगे त्वचा को पोषण और मरम्मत की

जरूरत होती है। इसके लिए एलोवेरा जेल, कैस्टर ऑयल और विटामिन ई से बनी घरेलू क्रीम काफी फायदेमंद मानी जाती है। एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है, कैस्टर ऑयल त्वचा को गहराई से पोषण देता है और विटामिन ई त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाए रखने में मदद करता है। इन तीनों चीजों को मिलाकर तैयार की गई क्रीम को रात में सोने से पहले हल्के हाथों से चेहरे पर लगाया चाहिए। धीरे-धीरे मसाज करना से यह क्रीम त्वचा में अच्छी तरह समा जाती है और रातभर त्वचा को रिपैर करने का काम करती है। नियमित उपयोग से त्वचा में निखार और मुलायमपन साफ नजर आने लगता है। खीरा गर्मियों में त्वचा के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है जो त्वचा को ठंडा और हाइड्रेट बनाए रखती है। यदि एलोवेरा जेल में खीरे का रस और बादाम तेल मिलाकर उसमें पुदीने के तेल की कुछ बूंदें डाल दी जाएं, तो यह एक बेहतरीन कूलिंग क्रीम बन जाती है। पुदीने का तेल त्वचा को तुरंत ठंडक पहुंचाता है और धूप के कारण होने वाली जलन को कम करता है। नहाने के बाद या धूप से लौटने के बाद इस क्रीम को लगाने से त्वचा को आराम मिलता है और चेहरे की थकान दूर हो जाती है। गर्मियों में कई लोगों को त्वचा पर जलन और लालपन की शिकायत रहती है। खासतौर पर धूप में ज्यादा देर रहने के बाद त्वचा संवेदनशील हो जाती है। ऐसे में नारियल तेल, शिया बटर, एलोवेरा जेल, शहद और टी ट्री ऑयल से बनी क्रीम

बेहद राहत देती है। नारियल तेल त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज करता है, शिया बटर त्वचा की नमी बनाए रखता है वहीं टी ट्री ऑयल त्वचा को मुलायम बनाता है। वहीं टी ट्री ऑयल में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो त्वचा को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। इस क्रीम को फ्रिज में रखकर इस्तेमाल करने से इसका कूलिंग इफेक्ट और भी बढ़ जाता है। जब भी त्वचा पर जलन या रूखापन महसूस हो, इसे लगाने से तुरंत आराम मिलता है। घरेलू नेचुरल क्रीम की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि इनमें किसी तरह के हानिकारक केमिकल या प्रिजर्वेटिव नहीं होते। जबकि फेसल तैयार की गई क्रीम में मौजूद कृत्रिम खुशबू और केमिकल लंबे समय तक उपयोग करने पर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जबकि प्राकृतिक चीजों से बनी क्रीम त्वचा को बिना नुकसान पहुंचाए पोषण देती हैं। यही वजह है कि ये संवेदनशील त्वचा वालों के लिए भी सुरक्षित मानी जाती हैं। एलोवेरा, गुलाब जल और खीरे जैसी प्राकृतिक चीजें त्वचा के पीएच लेवल को संतुलित रखने में मदद करती हैं। गर्मियों में त्वचा पर अधिक तेल और पसीना जमा होने लगता है, जिससे चिपचिपाहट और मुहांसों की समस्या बढ़ जाती है। नेचुरल क्रीम त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करती हैं और त्वचा को फ्रेश बनाए रखती हैं। इसके नियमित उपयोग से चेहरा साफ, खसतौर पर धूप में ज्यादा देर रहने के बाद त्वचा संवेदनशील हो जाती है। ऐसे में नारियल तेल, शिया बटर, एलोवेरा जेल, शहद और टी ट्री ऑयल से बनी क्रीम

इन्हें लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जा सकता। इन्हें हमेशा कांच के साफ बर्तन में बनाना चाहिए और दो-तीन दिनों के भीतर उपयोग कर लेना चाहिए। फ्रिज में रखने से इनकी ताजगी और असर लंबे समय तक बना रहता है। गर्मियों में त्वचा की खूबसूरती बनाए रखने के लिए केवल क्रीम लगाना ही काफी नहीं होता। इसके साथ-साथ पर्याप्त पानी पीना, संतुलित आहार लेना और धूप से बचाव करना भी जरूरी होता है। शरीर में पानी की कमी होने पर त्वचा सबसे पहले प्रभावित होती है। इसलिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी, नारियल पानी, जूस और फलों का सेवन करना चाहिए। हरी सब्जियां और सलाद त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं। साथ ही धूप में निकलते समय चेहरे को ढकाना और त्वचा को साफ रखना भी जरूरी है। दिनभर की धूल और प्रदूषण यदि त्वचा पर जमा रहे तो कोई भी क्रीम अपना पूरा असर नहीं दिखा पाती। इसलिए रात में सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करना चाहिए। असल में खूबसूरत त्वचा केवल महंगे उत्पादों से नहीं, बल्कि नियमित देखभाल और सही आदतों से मिलती है। प्राकृतिक चीजों से बनी घरेलू कूलिंग क्रीम न केवल त्वचा को ठंडक और ताजगी देती हैं, बल्कि उसे लंबे समय तक स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में भी मदद करती हैं। गर्मियों में यदि थोड़ी-सी सावधानी और नियमित देखभाल की जाए, तो त्वचा हर मौसम में खूबसूरत, मुलायम और दमकती हुई बनी रह सकती है।

जहाँ आमतौर पर फैक्ट्रियों से निकलने वाले स्क्रैप को बेकार मान लिया जाता है, वहीं झाँसी का वैगन मरम्मत कारखाना उसी स्क्रैप से एक नई मिसाल पेश कर रहा है। अब यह कारखाना केवल वैगनों की मरम्मत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक सोच का एक जीवंत उदाहरण बन गया है। करीब डेढ़ सदी पुराना यह कारखाना वर्ष 1882 में स्थापित हुआ था, जब देश में रेलवे नेटवर्क विस्तार की शुरुआत हो रही थी। इंडियन मिडलैंड रेलवे ने झाँसी को इस महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में चुना और 1895 में यहाँ स्टीम इंजन व यात्री डिब्बों की मरम्मत का कार्य शुरू हुआ। आज 84 एकड़ में फैला यह कारखाना भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा वैगन मरम्मत केंद्र बन चुका है, जहाँ हर महीने करीब 925 मालवाहक वैगनों की मरम्मत की जाती है। आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारियों की मदद से यहाँ डिफेंस वैगनों समेत सभी प्रकार के वैगनों की ओवरहॉलिंग की जाती है, जिससे इसकी उत्पादन क्षमता काफी उच्च मानी जाती है। हालांकि, अब इस कारखाने की पहचान केवल उसके काम तक सीमित नहीं रही। वर्ष 2023 में शुरू की गई एक नई पहल ने इसे एक अलग मुकाम दिया है। जाने वाली सामग्री को भी रचनात्मकता से इस्तेमाल किया जा सकेगा। "इको हेरिटेज गार्डन" तैयार किया गया, जो आज लोगों के लिए आकर्षण का



प्रमुख केंद्र बन गया है। इस गार्डन में स्क्रैप से तैयार किए गए इंडिया गेट और ताजमहल जैसे मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र है, जो देखने वालों को चौंका देते हैं। इसके अलावा ट्री हाउस, झोंपड़ियाँ, फिश पार्क, अंब्रेला गार्डन, वॉल आर्ट और 3D पोर्ट्रेट्स इसे एक अनोखा और जीवंत स्वरूप देते हैं। यह पहल स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि अनुपयोगी समझी का उपयोग कर करीब 5 एकड़ क्षेत्र में "इको हेरिटेज गार्डन" तैयार किया गया, जो आज लोगों के लिए आकर्षण का

कारखाने में स्थापित रेल म्यूजियम भी अपनी अलग पहचान रखता है, जहाँ ताजमहल जैसे मॉडल विशेष आकर्षण से भारतीय रेल की समृद्ध विरासत को नए और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। झाँसी का यह वैगन मरम्मत कारखाना अब केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है, जो यह संदेश देता है कि नई सोच और नवाचार से स्क्रैप भी सृजन की मजबूत नींव बन सकता है।

गर्मियों में बालों की देखभाल बन सकती है खूबसूरती का सबसे बड़ा राज -शहनाज़ हुसैन

गर्मी का मौसम अपने साथ केवल तेज धूप और पसीना ही नहीं लाता, बल्कि यह बालों और त्वचा के लिए भी कई तरह की समस्याएं लेकर आता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, शरीर में पसीना अधिक आने लगता है और इसका सबसे ज्यादा असर हमारे स्कैल्प यानी सिर की त्वचा पर दिखाई देता है। बाल चिपचिपे होने लगते हैं, उनमें बदनू आने लगती है, डैंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है और धीरे-धीरे बाल कमजोर होकर टूटने और झड़ने लगते हैं। यही कारण है कि गर्मियों में बालों की विशेष देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। यदि समय रहते सही तरीके अपनाए जाएं, तो न केवल बालों को झड़ने से बचाया जा सकता है, बल्कि उन्हें स्वस्थ, घना और चमकदार भी बनाया जा सकता है। गर्मियों में सबसे बड़ी समस्या पसीने की जड़ों को कमजोर करता है। यही वजह है कि इस मौसम में बालों का झड़ना अचानक बढ़ जाता है। कई लोगों को ऐसा लगता है कि केवल धूप बालों को नुकसान पहुंचाती है, लेकिन असल में पसीना और नमी भी उत्तने ही बड़े कारण होते हैं। गर्मी और उसम के कारण स्कैल्प में चिकनाई बढ़ जाती है। अधिक तेल और पसीना मिलकर बालों के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। जब स्कैल्प के पोर्स बंद हो जाते हैं, तो बादाम तेल बालों को मजबूत बनाने में मदद तत्व नहीं मिल पाते। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं और उनकी ग्रोथ रुक जाती है। कई बार यही स्थिति फंगल संक्रमण

और डैंड्रफ का कारण बन जाती है। सिर में खुजली, जलन और बदनू जैसी समस्याएं भी इसी वजह से बढ़ती हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो बाल पतले और बेजान दिखने लगते हैं। गर्मियों में धूप का असर भी बालों पर काफी गहरा पड़ता है। तेज सूर्य किरणें बालों की प्राकृतिक नमी को खत्म कर देती हैं। लगातार धूप में रहने से बाल सूखे, कमजोर और रूखे हो जाते हैं। इससे दौमुह बालों की समस्या भी बढ़ जाती है। कामकाज या पढ़ाई के कारण जब लोग लंबे समय तक बाहर रहते हैं, तो स्कैल्प को लगातार गर्मी और प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि इस मौसम में बालों को अतिरिक्त पोषण और सुरक्षा की जरूरत होती है। बालों को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है स्कैल्प की सफाई। गर्मियों में बालों को नियमित रूप से धोना चाहिए ताकि पसीना और गंदगी सिर में जमा न हो सके। हालांकि बहुत ज्यादा शैंपू का इस्तेमाल भी नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए हल्के और माइल्ड शैंपू का प्रयोग करना बेहतर होता है। बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग जरूर करना चाहिए ताकि बालों की नमी बनी रहे। कई लोग गर्मियों में सिर पर बहुत अधिक तेल लगा लेते हैं, लेकिन इससे पसीना और गंदगी ज्यादा चिपचिपे लगती है। इसलिए हल्के तेल का सीमित मात्रा में उपयोग करना अधिक फायदेमंद होता है। स्कैल्प मसाज गर्मियों में बेहद लाभकारी मानी जाती है। हल्के हाथों से तेल की मालिश करने से सिर में रक्त संचार बेहतर होता है और बालों की जड़ों को पोषण मिलता है। आंवला तेल, नारियल तेल और बादाम तेल बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। गर्म तेल से की गई हल्की मालिश स्कैल्प को रिलेक्स करती है और बालों को प्राकृतिक नमी प्रदान करती है।

राजस्थान के मेड़ता को मिला बड़ा रेल गिफ्ट!,रोजगार के खुलेंगे नए द्वार, यात्रियों को मिलेगा बेहतर और समयबद्ध सफर



राजस्थान के रेल इतिहास में एक बड़ा बदलाव होने का रहा है। मेड़ता रोड स्टेशन पर राज्य का पहला मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (MEMU) शोड विकसित किया जा रहा है। करीब 60 करोड़ की लागत स्कैल्प मसाज गर्मियों में बेहद लाभकारी मानी जाती है। हल्के हाथों से तेल की मालिश करने से सिर में रक्त संचार बेहतर होता है और बालों की जड़ों को पोषण मिलता है। आंवला तेल, नारियल तेल और बादाम तेल बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। गर्म तेल से की गई हल्की मालिश स्कैल्प को रिलेक्स करती है और बालों को प्राकृतिक नमी प्रदान करती है।

अत्याधुनिक मेटेनेंस सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत वर्ष 2022-23 में हुई थी और पूरा होने पर यह लगभग 50 MEMU रैक के रखरखाव में सक्षम होगा। इस शोड के शुरू होने से रेलवे की मेटेनेंस क्षमता में बड़ा इजाफा होगा, जिससे ट्रेनों की उपलब्धता बढ़ेगी और संचालन ज्यादा सुचारू व कुशल होगा। इलेक्ट्रिक ट्रेन सेवाओं को गति मिलेगी और अधिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों के तैल किया जा रहा है। परियोजना के लक्ष्य में 60 करोड़ की विद्युतीकरण, ट्रेक्षण इंस्टॉलेशन, सिविल कार्य, व्हील लेथ की स्थापना और

संचालन से स्थानीय स्तर पर कई तरह के रोजगार भी उत्पन्न होंगे। इसमें तकनीकी स्टाफ, मेटेनेंस वर्कर, इंजीनियर, ठेका श्रमिक, सुरक्षा कर्मी और सहायक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए अवसर बनेंगे। इसके अलावा आसपास छोटे व्यवसायों- जैसे दुकानों, ट्रांसपोर्ट और सर्विस सेक्टर- को भी बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर, मेड़ता रोड का यह MEMU शोड राजस्थान के लिए गेमचेंजर साबित होगा- जहाँ एक ओर यात्रियों को बेहतर सफर मिलेगा, वहीं स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को नई गति मिलेगी।

राजस्थान के जोधपुर में होगा अब सबसे आधुनिक वंदे भारत स्लीपर का मेटिनेंस



360 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा देश का पहला समर्पित मेटेनेंस डिपो जोधपुर अब भारत के रेलवे आधुनिकीकरण का एक अहम केंद्र बनने का रहा है। यहां देश का पहला वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का समर्पित मेटेनेंस डिपो के लिए अवसर बनेंगे। इसके अलावा आसपास छोटे व्यवसायों- जैसे दुकानों, ट्रांसपोर्ट और सर्विस सेक्टर- को भी बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर, मेड़ता रोड का यह MEMU शोड राजस्थान के लिए गेमचेंजर साबित होगा- जहाँ एक ओर यात्रियों को बेहतर सफर मिलेगा, वहीं स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को नई गति मिलेगी।

इस डिपो की सबसे बड़ी खासियत इसकी क्षमता है। यहां 600 मीटर लंबी मेटेनेंस ट्रेक सुविधा होगी, जिसमें एक साथ 24 स्लीपर कोच (करीब 3 पूरी ट्रेन सेट) का रखरखाव किया जा सकेगा। फेज-2, जिसे जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है, में अत्याधुनिक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। इसमें प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग, मॉडर्न वर्कशॉप, सिम्युलेटर आधारित ट्रेनिंग सेंटर के साथ-साथ बढ़ रहा है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अब इस परियोजना को नई गति देते हुए रेल मंत्रालय ने फेज-2 के लिए 95 करोड़ का टेंडर जारी किया है। कुल मिलाकर इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 360 करोड़ आंकी गई है।

जाएगी। इस मेगा प्रोजेक्ट से जोधपुर और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। निर्माण कार्य से लेकर तकनीकी और संचालन से जुड़े हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके अलावा स्थानीय व्यवसाय, जैसे जोड़ी जाएंगी। इसमें प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग, मॉडर्न वर्कशॉप, सिम्युलेटर आधारित ट्रेनिंग सेंटर के साथ-साथ बढ़ रहा है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अब इस परियोजना को नई गति देते हुए रेल मंत्रालय ने फेज-2 के लिए 95 करोड़ का टेंडर जारी किया है। कुल मिलाकर इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 360 करोड़ आंकी गई है।

धोलेरामें सेमीकंडक्टर उद्योग में नौकरियों की बहार! आईटीआई-धोलेरामें से यूएचपी सेमीकंडक्टर कोर्स का देश का पहला बैच पास आउट

▶ यहाँ प्रशिक्षित छात्रों को धोलेरामें ही सेमीकंडक्टर उद्योग में नौकरी मिले, ऐसी व्यवस्था की गई

▶ धोलेरामें स्थित आईटीआई में टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्किल्स द्वारा गुजरात सरकार और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सहयोग से प्रशिक्षण दिया जाता है

▶ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य में सेमीकंडक्टर उद्योग को मिली रफ्तार : राज्य सरकार ने उद्योगों को जरूरी कुशल मानवबल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किए

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सेमीकंडक्टर उद्योग ने वैश्विक पहचान बनाई, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात 1.25 लाख करोड़ रुपए के निवेश और भारत की कुल मंजूर सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता में लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी के साथ बना सिरमौर

▶ यह देश का पहला ऐसा प्रयोग है, जहाँ आईटीआई में सेमीकंडक्टर के लिए तैयार क्लोनरूम प्रशिक्षण की सुविधा स्थापित की गई है और स्किलिंग प्रोग्राम को सीधे देश के कॉर्पोरेट सेमीकंडक्टर फैब के साथ जोड़ा गया है

गांधीनगर : गुजरात के धोलेरामें और साणंद में सेमीकंडक्टर उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। इस उद्योग की कुशल मानवबल की जरूरत को पूरा करने की दिशा में गुजरात सरकार ने एक महत्वपूर्ण कार्य शुरू किया है। राज्य के सेमीकंडक्टर हब धोलेरामें में स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से हाल ही में 'यूएचपी सेमीकंडक्टर वेल्टिंग प्रोग्राम' का 16 छात्रों का पहला बैच पास आउट हो गया है और दूसरे बैच की शुरुआत भी हो गई है।

'यूएचपी (अल्ट्रा हाई प्योरिटी) सेमीकंडक्टर वेल्टिंग प्रोग्राम' आईटीआई स्तर पर पढ़ाई जाने वाली एक महत्वपूर्ण शुरुआत है, जो सेमीकंडक्टर मैयूफैक्चरिंग के लिए क्लोनरूम के लिए विशेष मानवबल तैयार करता है। यह प्रोग्राम टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्किल्स (टाटा आईआईएस) द्वारा गुजरात सरकार और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सहयोग से चलाया जाता है।

यह देश का अपनी तरह का पहला ऐसा प्रयोग है, जहाँ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में सेमीकंडक्टर के लिए तैयार क्लोनरूम प्रशिक्षण की सुविधा स्थापित की गई है और यह स्किलिंग प्रोग्राम सीधे देश में विकसित हो रहे कॉर्पोरेट सेमीकंडक्टर फैब से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में



राज्य में सेमीकंडक्टर उद्योग को नई रफ्तार मिली है और इन उद्योगों के लिए जरूरी कुशल मानवबल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न कंपनियों के साथ स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रम शुरू किए हैं।

इस प्रोग्राम में छात्रों को अल्ट्रा हाई प्योरिटी (यूएचपी) वेल्टिंग में प्रशिक्षण दिया जाता है, जो सेमीकंडक्टर फैब में कंट्रोलरूम-मुक्त ऑफ़ स्किल्स (टाटा आईआईएस) द्वारा गुजरात सरकार और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सहयोग से चलाया जाता है।

यह देश का अपनी तरह का पहला ऐसा प्रयोग है, जहाँ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में सेमीकंडक्टर के लिए तैयार क्लोनरूम प्रशिक्षण की सुविधा स्थापित की गई है और यह स्किलिंग प्रोग्राम सीधे देश में विकसित हो रहे कॉर्पोरेट सेमीकंडक्टर फैब से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में

की पूर्व शर्त नहीं है। उम्मीदवारों का चयन टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्किल्स द्वारा किया जाता है।

इस प्रोग्राम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने आईटीआई धोलेरामें में कंटेनरहाउट आईएसओ क्लास 1 लेक क्लोनरूम की सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा का परिचालन पूरी तरह से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा किया जाता है और इसके लिए जरूरी फंड भी कंपनी की ओर से दिया गया है। जिससे आईटीआई और गुजरात सरकार पर किसी प्रकार के पूंजी खर्च का बोझ नहीं पड़ा है।

यह लैब वास्तविक सेमीकंडक्टर

मैयूफैक्चरिंग की परिस्थितियों का निर्माण करता है, जिससे छात्रों को रीयल क्लोनरूम माहौल में प्रैक्टिकल प्रशिक्षण मिलता है। यानी, छात्रों को ऐसा अनुभव होता है मानो वे सचमुच किसी सेमीकंडक्टर उद्योग में काम कर रहे हों, और उन्हें प्रशिक्षण भी उसी प्रकार दिया जाता है।

इस लैब में ऑक्टिल वेल्टिंग मशीनें, इम्परोड (आईआर) फ्यूजन वेल्टिंग सिस्टम, होलियम लोक टेस्टिंग सिस्टम, प्रेशर टेस्टिंग सेटअप और एयर लॉक तथा एयर शांवर सिस्टम जैसे क्लोनरूम इम्प्लैन्टेशन सहित विशेष उपकरण रखे गए हैं।

यह प्रोग्राम छह सप्ताह का है, जिसमें छात्रों को अहमदाबाद स्थित आईआईएस में दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाता है और उसके बाद आईटीआई धोलेरामें स्थित क्लोनरूम फैसिलिटी में चार सप्ताह की एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। छात्रों को क्लोनरूम प्रोटोकॉल, प्रिंसिपल ट्यूब तैयारी, ऑक्टिल और आईआर फ्यूजन वेल्टिंग, लोक टेस्टिंग, गुणवत्ता निरीक्षण और डॉक्यूमेंटेशन प्रैक्टिस का प्रशिक्षण दिया जाता है। लगभग 70 फीसदी प्रशिक्षण हैडइस-ऑन (व्यावहारिक अनुभव या करके सीखना) होता है, जिसमें प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन का निरंतर मूल्यांकन और ट्रेनिंग की जाती है। टाटा इंडीस्टीट्यूट ऑफ़ स्किल्स के इन-हाउस ट्रेनिंग छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं और यह संपूर्ण

पाठ्यक्रम भी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा निर्धारित उद्योगों की जरूरतों के मुताबिक तैयार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि गुजरात में सेमीकंडक्टर उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और सरकार निजी क्षेत्र के साथ मिलकर युवाओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर उद्योग के लिए कुशल मानवबल तैयार कर रही है। इसी कड़ी में, धोलेरामें और आसपास के क्षेत्रों के कुल 16 छात्रों ने इस विशेष प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और दूसरे बैच को प्रशिक्षण देने की शुरुआत भी हो गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सेमीकंडक्टर उद्योग ने वैश्विक पहचान बनाई है। उधर, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए के निवेश और भारत की कुल मंजूर सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता में लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सेमीकंडक्टर क्षेत्र का सिरमौर बन गया है।

यहाँ से पढ़कर निकले छात्रों की प्रोफाइल सेमीकंडक्टर उद्योग को भेजी गई

इस प्रोग्राम के ग्रेजुएट्स को यूएचपी-सर्टिफाइड प्रिंसिपल वेल्टर्स के तौर पर, क्लोनरूम के अनुभव के साथ काम करने के लिए तैयार किया गया है। उनका विवरण (प्रोफाइल) टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा स्वीकृत

नराल कॉन्ट्रैक्ट्स को दी गई है। ये कॉन्ट्रैक्ट धोलेरामें स्थित सेमीकॉन फैब पर काम कर रहे हैं। इससे इन प्रशिक्षुओं को सीधे नौकरी के अवसर मिलेंगे। यहाँ प्रशिक्षित छात्रों के लिए सेमीकंडक्टर फैब, इंपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) कॉन्ट्रैक्ट्स और एडवांस मैयूफैक्चरिंग माहौल में उपयोग में लिए जाने वाले हाई-प्योरिटी पाइपिंग और गैस डिलीवरी सिस्टम में भी अवसर उपलब्ध हैं।

गुजरात बना भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति का अगुवा

गुजरात भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति का अगुवा राज्य है। राज्य ने गुजरात सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2022-27 लागू की है, जो उद्योगों को वित्तीय प्रोत्साहन, भूमि आउटलेट और त्वरित मंजूरीयों के साथ-साथ बिजली, पानी और गैस जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करती है। राज्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, लंबी तटरेखा, प्रमुख बंदरगाह, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा (डीएमआईसी) के साथ कॉन्ट्रैक्टिविटी तथा एयरपोर्ट, हाईवे एवं रेलवे सुविधाएं उद्योगों के लिए बहुत ही अनुकूल हैं। गुजरात सरकार के विभिन्न प्रयासों का नतीजा है कि आज राज्य भारत की कुल मंजूर सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता में लगभग 40 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है, जिसमें लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

एक इन्प्लुएंसर ने खाटू श्याम मंदिर के बाहर 3 घंटे में भीख मांगकर 4000 रुपये से अधिक कमाए, वीडियो वायरल हो गया

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। हमारी संस्कृति में दान, धर्म, उपवास और व्रत को महत्व दिया जाता है। इसलिए, हम मंदिरों, मस्जिदों, दरगाहों या अन्य धार्मिक स्थलों पर बैठे भिखारियों को कुछ देकर पुण्य का दीवार खड़ी करते हैं। फिर राजस्थान के प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर के बाहर घटी एक अनोखी घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। एक जाने-माने सोशल मीडिया इन्प्लुएंसर



ने फटे-पुराने कपड़े पहनकर, भिखारी का रूप धारण करके और हाथ में कटोरा लेकर मंदिर के बाहर तीन घंटे तक बैठकर भीख मांगी। इन तीन घंटों में उन्हें मिली भीख की रकम जाकर आठ दंग रह जाएगी। इस इन्प्लुएंसर ने महज तीन घंटों में 4,000 रुपये से अधिक का दान इकट्ठा कर लिया। यह रकम एक औसत मध्यमवर्गीय व्यक्ति को एक दिन की कमाई से कहीं अधिक है। हालांकि, इन्प्लुएंसर ने इस वीडियो को

सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि लोग पूजा स्थलों पर इतनी उदारता से दान करते हैं कि भीख मांगना भी एक बड़ा व्यवसाय बन गया है। यहाँ यह उल्लेख करना उचित होगा कि कुछ दिनों पहले एक करोड़पति भिखारी की खबर भी सुर्खियों में थी। उसके घर से 500-500 के नोटों के बंडल बरामद हुए थे। इसे ही तो बिना पूंजी का कारोबार कहते हैं।

VGRC दक्षिण गुजरात: क्षेत्रीय विकास के लिए एक वैश्विक मंच

STRAP: वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (दक्षिण गुजरात) ने इस क्षेत्र को राज्य के आर्थिक विकास को गति देने वाले एक प्रमुख 'इंजन' के रूप में स्थापित किया है

गांधीनगर : 1 और 2 मई 2026 को सूरत की ऑरो (AURO) यूनिवर्सिटी में आयोजित दक्षिण गुजरात क्षेत्र के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' (VGRC) एक ऐतिहासिक आयोजन रहा, जिसने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा। आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाले एक रणनीतिक मंच के रूप में, इस दो दिवसीय सम्मेलन के समापन पर 2,792 समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए और कुल 3.53 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। वीजीआरसी के केंद्र में मुख्य रूप से भरूच, डांग, नवसारी, सूरत, तापी और वलसाड जिले रहे। इस आयोजन में दर्ज की गई व्यापक भागीदारी दक्षिण गुजरात क्षेत्र में निवेशकों के अपार विश्वास और रुचि का प्रत्यक्ष प्रमाण है। 20,000 से अधिक प्रशिक्षण एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के पंजीकरण तथा 27 देशों के 150 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों की सहभागिता ने गुजरात के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को पूरी दृढ़ता के साथ प्रदर्शित किया। इस संस्करण के लिए जापान, सिंगापुर, रवांडा और यूक्रेन ने 'पार्टनर कंट्रीज' के रूप में कार्य किया। उन्हें प्रतिष्ठित 'पार्टनर ऑर्गनाइजेशन' - जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JETRO), रूसी

संघ के व्यापार प्रतिनिधिमंडल, यूएस-इंडिया स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF), भारत में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (AMCHAM) और कोरिया ट्रेड-इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (KOTRA) का समर्थन प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने 1 मई 2026 को इस रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया था। गुजरात के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री हर्षभाई सांचवी ने उद्घाटन सत्र के दौरान सभा को संबोधित किया था। उद्घाटन के दिन उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में भारत सरकार के माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और भारत सरकार के माननीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल शामिल थे। इस सत्र में भाग लेने वाले विदेशी प्रतिनिधियों में भारत में जापान के राजदूत महामहिम श्री केनिची ओनो; भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त महामहिम श्री साइमन वोंग; भारत में यूक्रेन के राजदूत लालितियाना अकोचे शापित थीं। पहले दिन उपस्थित उद्योग जगत के दिग्गजों और अन्य गणमान्य लोगों में एसोचैम (ASSOCHAM) के अध्यक्ष

श्री निर्मल मिंडा; निर्यात स्टील कॉर्पोरेशन के प्रबंध कार्यकारी अधिकारी श्री नोबुओ ओकोची; एएम/एनएस (AM/NS) इंडिया के सीईओ श्री दिलीप ओमन; हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन श्री सवजीभाई डोलकिया (पंचश्री); डोनेट लाइफ के संस्थापक और अध्यक्ष श्री नीलेश मांडलेवाला (पंचश्री); किरण होस्पिटल्स के चेयरमैन श्री माधुभाई सवानी (पंचश्री); तथा शिक्षक, लेखक व अभिनेता श्री यशदत्त करंजिया (पंचश्री) शामिल थे। दूसरे दिन, 2 मई को माननीय केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे.पी. नट्टा मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और भारत सरकार के माननीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल शामिल थे। इस सत्र में भाग लेने वाले विदेशी प्रतिनिधियों में भारत में जापान के राजदूत महामहिम श्री केनिची ओनो; भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त महामहिम श्री साइमन वोंग; भारत में यूक्रेन के राजदूत लालितियाना अकोचे शापित थीं। पहले दिन उपस्थित उद्योग जगत के दिग्गजों और अन्य गणमान्य लोगों में एसोचैम (ASSOCHAM) के अध्यक्ष

इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण 'रिवर्स बायर-सेलर मीट' (RBBSM) था। आरबीएसएम के दौरान 1,210 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए और निर्यात के लिए 580 करोड़ रुपये से अधिक की व्यावसायिक पूछताछ (Business Inquiries) उत्पन्न हुईं। इस मंच ने संवाद को ठोस अवसरों में बदलते हुए 4,200 से अधिक व्यवस्थित सवानी (पंचश्री); तथा शिक्षक, लेखक व अभिनेता श्री यशदत्त करंजिया (पंचश्री) शामिल थे। दूसरे दिन, 2 मई को माननीय केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे.पी. नट्टा मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और भारत सरकार के माननीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल शामिल थे। इस सत्र में भाग लेने वाले विदेशी प्रतिनिधियों में भारत में जापान के राजदूत महामहिम श्री केनिची ओनो; भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त महामहिम श्री साइमन वोंग; भारत में यूक्रेन के राजदूत लालितियाना अकोचे शापित थीं। पहले दिन उपस्थित उद्योग जगत के दिग्गजों और अन्य गणमान्य लोगों में एसोचैम (ASSOCHAM) के अध्यक्ष

कारोबारों को दिए गए। इस प्रदर्शनी में, जिसने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने दक्षिण गुजरात की अनूठी कृषि और कलात्मक विरासत को प्रदर्शित किया, कुल विक्री लगभग 38 लाख रुपये तक पहुंच गई। इसमें से गुजरात महिला आर्थिक विकास निगम द्वारा प्रायोजित महिला उद्यमियों ने लगभग 14 लाख रुपये का कारोबार किया। मैगो फेरिटवेल जो वीजीआरसी में पहली बार आयोजित हुआ, में लगभग 8 लाख रुपये की विक्री हुई, जबकि इंडेक्स-सी (INDEX) द्वारा प्रायोजित कारोबारों ने 5.55 लाख रुपये से अधिक का सामान बेचा। गुजरात लाइवलीहुड प्रमोशन कंपनी द्वारा प्रोटेक्ट 'सखी मंडल' ने 5 लाख रुपये से कुछ अधिक के उत्पाद बेचे, जबकि 'ट्राइबल हाट' ने 5.31 लाख रुपये की विक्री की थी। वैश्विक आमतुंकों ने लैब-ग्रोन डायमंड्स, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल्स में विशेषज्ञता रखने वाली औद्योगिक इकाइयों के भ्रमण के माध्यम से इस क्षेत्र की क्षमताओं को करीब से जाना। क्षेत्रीय ताकत को वैश्विक दृष्टिकोण के साथ जोड़कर, सूरत में आयोजित इस 'रीजनल कॉन्फ्रेंस' ने राज्य के भविष्य के आर्थिक विकास के इंजनों में से एक के रूप में दक्षिण गुजरात की स्थिति को और मजबूत किया है।

सूरत में भाजपा युवा कार्यकर्ता जय दलाल की हत्या से सनसनी मच गई, पुलिस ने जांच तेज कर दी है

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। अपराधियों की वारता जरूर निकलेगी, उन्हें लंगड़े पैरों पर चलना पड़ेगा। मानो ये अपराधी राज्य के मुद्दर गृह मंत्री को चुनौती दे रहे हों, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से एफ़ी अपद्र टिप्पणी की थी, और आधी रात को उधना रोड नंबर 6 पर भाजपा की एक महिला नेता के बेटे को सरेआम कैद कर लिया, तो उन्होंने गृह मंत्री और राज्य के उपमुख्यमंत्री समेत पुलिस व्यवस्था को चुनौती दी है कि उनका हम भाजपा नेता के बेटे के साथ ऐसा कर सकते हैं, तो आम आदमी को क्या चिंता है? जब आज लोगों में ऐसा अंतर्निहित भय व्याप्त है, तो जनता की सुरक्षा को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। सूरत के उधना रोड नंबर 6 पर रात करीब 12:30 बजे भाजपा के युवा कार्यकर्ता जय दलाल की सरेआम हत्या ने आम नागरिकों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। मृतक जय दलाल की माता जयश्रीबेन दलाल वार्ड नंबर 27 में भाजपा की सक्रिय महिला कार्यकर्ता हैं। उन्हें भाजपा की महिला विधायक संगीताबेन पाटिल का करीबी माना जाता है और वे संगठन में विधायक के साथ सक्रिय रूप से काम करती हैं। इस संबंध में सूरत के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) चिराम वडोदरिया ने कहा, "विविध रात जब भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष जय दलाल और उनके दोस्त एक कबाड़ की दुकान के शुरू हुआ था, जहाँ इस युवा भाजपा नेता परमार, पंकज पाटिल और मिलिंद कोली दोपहिया वाहन पर आए। इन तीनों ने जय को डंडे से पीटा। जय को अस्पताल ले जाया गया जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शुरुआती तौर पर यह माना जा रहा है कि जय और आरोपियों के बीच तीन महीने पहले

झगड़ा हुआ था। यह भी माना जा रहा है कि इसी झगड़े के चलते यह हत्या की गई है।" इसके अलावा, विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अपराधियों को शक था कि मृतक जय ने उनसे (अपराधियों से) जुए का खेल करवाया था। यह भी एक कारण था। इसके अलावा, लगभग तीन महीने पहले मोपेड के पहिए को लेकर हुई झड़प भी इसमें दिलचस्पी थी। हालांकि, यह सिर्फ एक अफवाह है। फिलहाल, उधना पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

सोना वायदा में 351 रुपये और कूड ऑयल वायदा में 141 रुपये की वृद्धि: चांदी वायदा में 2739 रुपये की नरमी

मुंबई: देश के अग्रणी कर्मांडी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कर्मांडी वायदा, ऑयल और इंडेक्स पयर्स में 160807.01 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कर्मांडी वायदाओं में 26988.98 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कर्मांडी ऑयल में 133817.91 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स का मई वायदा 38791 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कर्मांडी ऑयल में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2133.13 करोड़ रुपये का हुआ। कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 18710.11 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना जून वायदा सत्र के आरंभ में 159899 रुपये के भाव पर खुलकर, 160200 रुपये के दिन के उच्च और 159161 रुपये के नीचे स्तर को छूकर, 159401 रुपये के पिछले बंद के सामने 351 रुपये या 0.22 फीसदी की मजबूती के साथ 159752 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। गोल्ड-गिनी मई वायदा 40 रुपये या 0.03 फीसदी बढ़कर 127907 रुपये प्रति 8 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो

रहा था। गोल्ड-पेटल मई वायदा 11 रुपये या 0.07 फीसदी बढ़कर 16026 रुपये प्रति 1 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। सोना-मिनी जून वायदा 159008 रुपये पर खुलकर, ऊपर में 159489 रुपये और नीचे में 158601 रुपये पर पहुंचकर, 326 रुपये या 0.21 फीसदी बढ़कर 248 रुपये या 0.16 फीसदी बढ़कर 159401 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-टैन मई वायदा प्रति 10 ग्राम 159195 रुपये पर खुलकर, ऊपर में 160299 रुपये और नीचे में 159015 रुपये पर पहुंचकर, 159153 रुपये के पिछले बंद के सामने 248 रुपये या 0.16 फीसदी बढ़कर 159401 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। चांदी के वायदाओं में चांदी जुलाई वायदा सत्र के आरंभ में 276271 रुपये के भाव पर खुलकर, 276666 रुपये के दिन के उच्च और 272910 रुपये के नीचे स्तर को छूकर, 276651 रुपये के पिछले बंद के सामने 2739 रुपये या 0.99 फीसदी गिरकर 273912 रुपये प्रति किलो हुआ। इनके अलावा चांदी-मिनी जून वायदा 2784 रुपये या 1 फीसदी गिरकर 276832 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंचा। जबकि चांदी-माइक्रो जून वायदा



▶ कर्मांडी वायदाओं में 26988.98 करोड़ रुपये और कर्मांडी ऑयल में 133817.91 करोड़ रुपये का दर्ज हुआ टर्नओवर : सोना-चांदी के वायदाओं में 18710.11 करोड़ रुपये का हुआ कारोबार : बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स पयर्स 38791 पॉइंट के स्तर पर

2767 रुपये या 0.99 फीसदी अधिककर 276850 रुपये प्रति किलो पर आ गया। मेटल वर्ग में 3214.88 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा मई वायदा 4.25 रुपये या 0.32 फीसदी घटकर 1344 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि जस्ता मई वायदा 2.35 रुपये या 0.64 फीसदी बढ़कर 367.5 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके सामने एल्यूमीनियम मई वायदा 4.9 रुपये या 1.29 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 386.1 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा

मई वायदा 35 पैसे या 0.17 फीसदी बढ़कर 202.8 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। इन जिनों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 5133.93 करोड़ रुपये

के सौदे किए। एमसीएक्स कूड ऑयल जून वायदा सत्र के आरंभ में 9919 रुपये के भाव पर खुलकर, 10080 रुपये के दिन के उच्च और 9901 रुपये के नीचे स्तर को छूकर, 141 रुपये या 1.42 फीसदी की बढ़त के साथ 10065 रुपये प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा था। जबकि कूड ऑयल-मिनी जून वायदा 144 रुपये या 1.45 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 10066 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। इनके अलावा नैचुरल गैस मई वायदा 291.9 रुपये पर खुलकर, ऊपर में 297.2 रुपये और नीचे में 289.8 रुपये पर पहुंचकर, 292.5 रुपये के पिछले बंद के सामने 3.8 रुपये या 1.3 फीसदी बढ़कर 296.3 रुपये प्रति एएमबीटीयू के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि नैचुरल गैस-मिनी मई वायदा 3.8 रुपये या 1.3 फीसदी बढ़कर 296.3 रुपये प्रति एएमबीटीयू के भाव पर ट्रेड हो रहा था। इसके सामने एल्यूमीनियम मई वायदा 4.9 रुपये या 1.29 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 386.1 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा

कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 10334.53 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 8375.58 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 2308.89 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 518.64 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 7.18 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 366.31 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इन जिनों के अलावा कूड ऑयल और कूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 2883.72 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 2243.28 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। मेंथा ऑयल के वायदा में 2.79 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई।

ऑपर इटरेस्ट सोना के वायदाओं में 10256 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 62105 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 19757 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 281361 लोट और गोल्ड-टैन के वायदाओं में 43102 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के

वायदाओं में 9727 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 23587 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 74805 लोट के स्तर पर था। कूड ऑयल के वायदाओं में 18779 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 34035 लोट के स्तर पर था। इंडेक्स पयर्स में बुलडेक्स मई वायदा 38791 पॉइंट पर खुलकर, 38791 के उच्च और 38791 के नीचे स्तर को छूकर, 48 पॉइंट बढ़कर 38791 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कर्मांडी ऑयल ऑन पयर्स में कूड ऑयल जून 10000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का फुट ऑयल प्रति किलो 58.7 रुपये की गिरावट के साथ 802 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस मई 290 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का फुट ऑयल प्रति एएमबीटीयू 1.8 रुपये की गिरावट के साथ 4.5 रुपये हुआ। सोना मई 150000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का फुट ऑयल प्रति 10 ग्राम 36 रुपये की गिरावट के साथ 263.5 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी मई 250000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का फुट ऑयल प्रति किलो 63 रुपये की गिरावट के साथ 1400.5 रुपये हुआ। तांबा मई 1340 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का फुट ऑयल प्रति किलो 45 पैसे की नरमी के साथ 12.82 रुपये हुआ। जस्ता मई 350 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का फुट ऑयल प्रति किलो 2 पैसे के सुधार के साथ 0.53 रुपये हुआ।